आचार्य चाणक्य भारतवर्ष की सोच के सच्चे प्रतिनिधि हैं- राज्यपाल 19-5-2015

चण्डीगढ, 19 मई। आचार्य चाणक्य केवल अर्थशास्त्री नहीं भारतवर्ष की सोच के सच्चे प्रतिनिधि हैं। उन्होंने शासन के बारे में जो विचार दिए हैं वे सदैव अनुकरणीय रहेंगे। ये उद्गार हरियाणा के राज्यपाल प्रो0 कप्तान सिंह सोलंकी ने आज स्थानीय आयकर भवन में आचार्य चाणक्य की प्रतिमा के अनावरण के बाद अपने सम्बोधन में व्यक्त किए।

राज्यपाल ने कहा कि आचार्य चाणक्य ने साबित किया कि लक्ष्य उंचा हो तो हार नहीं झेलनी पड़ती। लक्ष्य गलत होने पर रावण, कौरव और वर्तमान में पाकिस्तान की अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय में हार इसका उदाहरण है। इसी प्रकार आचार्य चाणक्य ने अर्थ अर्थात धनार्जन को अध्यात्म, अपरिग्रह और जनकल्याण से जोड़ा क्योंकि अर्थ इनसे जुड़ा नहीं होगा तो अनर्थ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आयकर विभाग में काम करने वाले हर व्यक्ति को भी इस बात को हर पल ध्यान याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में पुलिस व आयकर विभाग से आमतौर पर लोग भयभीत रहते हैं। लेकिन उन्हें महात्मा गांधी की यह बात याद रखनी चाहिए कि जो व्यक्ति नैतिक है उसे कभी डरने की जरूरत नहीं।

प्रो0 सोलंकी ने आगे कहा कि यदि कोई अपने पद का दुरूपयोग करता है तो आचार्य चाणक्य उसका भी मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने सम्राट चन्द्रगुप्त द्वारा राजा होने का अहंकार प्रकट करने पर उन्हें चेतावनी दी थी कि राजा तुम नहीं बल्कि प्रजा है। यदि प्रजाहितैषी नहीं रहोगे तो हटा दिए जाओगे। वर्तमान समय में भी हर अधिकार प्राप्त व्यक्ति इस उदाहरण को याद रखेगा तो पद व शक्ति का दुरूपयोग नहीं करेगा। आयकर भवन में आचार्य चाणक्य की प्रतिमा की स्थापना पर बधाई देते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह प्रतिमा यहां काम करने वाले और यहां आने वाले हर व्यक्ति को आचार्य चाणक्य के नियमों और सिद्धांतों को अपनाने की प्रेरणा देती रहेगी।

इससे पहले आयकर विभाग उत्तर-पश्चिम क्षेत्र, चण्डीगढ के प्रधान मुख्य आयुक्त कैलाश चन्द्र जैन ने कहा कि वर्तमान समय में भारत कर-प्रशासन के क्षेत्र में दुनिया को राह दिखा सकता है क्योंकि इस क्षेत्र में हम अत्यन्त श्रेष्ठ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी दक्षता को देखते हुए पड़ौसी देशों के कर-अधिकारी हमारे यहां प्रशिक्षण प्राप्त करने आते हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि आयकर परिवार देश के प्रति समर्पित भाव से काम करता रहेगा और देश को कोष की कमी कभी नहीं होने देगा। मुख्य आयकर आयुक्त लुधियाना एवं अमृतसर बिनय कुमार झा ने सबका धन्यवाद किया। इस अवसर पर मुख्य आयकर आयुक्त, पंचकुला व शिमला श्रीमती सुनीता पुरी व अन्य वरिष्ठ आयकर अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।